NEED 24 NEWS
हर खबर, हर शहर

ताज़ा खबर | वर्ष-01 अंक-178 | संपादक: Mukesh Giri | 27 जून 2026

जन्नत-ए-कश्मीर

देश • श्रीनगर

श्रीनगर में आज निकलेगा ऐतिहासिक मोहर्रम का जुलूस

मोहर्रम की दसवीं तारीख पर, कर्बला की त्रासदी की याद में, हजारों लोग श्रीनगर में ज़ुलजिनाह जुलूस में भाग लेंगे।

शुक्रवार, मोहर्रम की दसवीं तारीख को श्रीनगर में एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन के साथ आशूरा मनाया जाएगा। ऐतिहासिक ज़ुलजिनाह जुलूस बोता कदल से शुरू होकर इमामबाड़ा ज़दीबल की ओर बढ़ेगा। हजारों की संख्या में शोक मनाने वालों के इस जुलूस में भाग लेने की उम्मीद है, जो कर्बला की त्रासदी की याद में डूबे रहेंगे। यह आयोजन कश्मीर घाटी में समुदाय के लिए एक गंभीर अवसर है। यह पर्व एक गहरी जड़ें जमा चुकी परंपरा है, जो हर साल शहादत की याद में बड़ी भीड़ को आकर्षित करती है। यह जुलूस क्षेत्र में आशूरा की रस्मों का एक केंद्रीय हिस्सा है।

स्रोत: Kashmir Observer

चित्र: Kashmir Observer (via NewsData)

देश • श्रीनगर

करबला की स्थायी नैतिक प्रासंगिकता पर प्रकाश

चित्र: Kashmir Observer (via NewsData)

करबला के ऐतिहासिक युद्ध की स्थायी विरासत अपनी पिछली प्रासंगिकता से परे, गूंजती रहती है। इसे विवेक, चरित्र और व्यक्तियों द्वारा लिए गए निर्णयों के मूल्यांकन के लिए एक कालातीत मानक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह कथा इस बात पर जोर देती है कि करबला नैतिक दृढ़ता की एक शाश्वत परीक्षा के रूप में कार्य करता है। इस ऐतिहासिक घटना से प्राप्त सीख को समकालीन नैतिक विचारों और व्यक्तिगत निर्णय लेने की प्रक्रियाओं के लिए प्रासंगिक बताया गया है। यह दृष्टिकोण करबला की विरासत को एक जीवंत प्रभाव के रूप में स्थापित करता है, जो व्यक्तियों को लगातार अपने नैतिक कम्पास और अपने कार्यों की अखंडता पर विचार करने के लिए चुनौती देता है।

स्रोत: Kashmir Observer

देश

वैश्विक मान्यता के लिए कश्मीर की सांस्कृतिक भूमिका पर प्रकाश

कश्मीर के वैश्विक संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान को औपचारिक रूप से स्वीकार करने के लिए एक पहल पर चर्चा की जा रही है। इस कदम का उद्देश्य क्षेत्र की समृद्ध कलात्मक विरासत पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करना है। इस प्रस्ताव में सुझाव दिया गया है कि इस तरह की मान्यता से निवेश में वृद्धि के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा। इस निवेश का उद्देश्य स्थानीय कलाकारों, शिक्षकों और कश्मीर के भीतर सांस्कृतिक अभिलेखागार और संस्थानों के संरक्षण का समर्थन करना है। इसका मुख्य ध्यान विश्व संस्कृति में कश्मीर के अद्वितीय स्थान का जश्न मना...

स्रोत: Kashmir Observer

देश • श्रीनगर

मीरवाइज ने भारत-पाकिस्तान वार्ता के लिए ईरान-अमेरिका समझौते का दिया हवाला

चित्र: Kashmir Observer (via NewsData)

कश्मीर के प्रमुख धार्मिक नेता मीरवाइज ने भारत और पाकिस्तान से टकराव के बजाय बातचीत को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। यौम-ए-आशूरा के अपने संबोधन के दौरान बोलते हुए, उन्होंने हालिया अमेरिका-ईरान की समझ का उदाहरण दिया। मीरवाइज ने सुझाव दिया कि ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच की समझ ने विवादों को हल करने के लिए सैन्य बल पर निर्भर रहने की सीमाओं को प्रदर्शित किया। उन्होंने शांतिपूर्ण समाधान के महत्व को रेखांकित करने के लिए कर्बला के सबक का आह्वान किया। यह संवाद की अपील दोनों दक्षिण एशियाई परमाणु-सशस्त्र राष्ट्रों के बीच चल रहे तनाव के बीच आई है।

स्रोत: Kashmir Observer

विज्ञापन

खबरें एआई द्वारा स्रोतों से संकलित। चित्र स्रोत सहित।

देश

रामबन में सेना ने शिया समुदाय के लिए लगाया निःशुल्क चिकित्सा शिविर

भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर के रामबन जिले में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया है। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय आबादी को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था। शिविर में शिया समुदाय के बड़ी संख्या में लोगों ने सेवाओं का लाभ उठाया। उन्हें सेना के डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों की एक टीम द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, नैदानिक परीक्षण और परामर्श प्रदान किए गए। चिकित्सा परामर्श के अलावा, शिविर में आवश्यक द...

स्रोत: Latestly

खबरें एआई द्वारा स्रोतों से संकलित। चित्र स्रोत सहित।